GROW MAX - 82

Activator - Wetter - Spreader

यह एक अद्वितीय एवं आधुनिक उत्पाद है, जिसे कीटनाशक, फफूंदीनाशक, खरपतवारनाशक, पत्ता खाद व पौधा पोषकों में मिलाकर उसके असर को और अधिक बढ़ाया जा सकता है।

GROW MAX - 82 का इस्तेमाल कहाँ कर सकते हैं -

इसका प्रयोग सभी प्रकार की फसलों, फलों, सब्जियों तथा नर्सरी, गोल्फकोर्स, फार्म हाउस, घरेलु पेड़-पौधों व किचन गार्डन में इस्तेमाल किया जा सकता है।

GROW MAX - 82 की प्रयोग विधि -

कीटनाशक के साथ - कीटनाशक के साथ **GROW MAX - 82** को इस्तेमाल करने से पहले कीटनाशक की मात्रा **20%** कम कर लें (15 ली० पानी) में कीटनाशक के साथ 10 मि० ली० **GROW MAX - 82** मिलाकर प्रयोग करें। परिणाम - पत्तों पर कीटनाशक को चिपका देगा, जिससे दवा ज्यादा भाग पर फैल जाती है और 100% असर करती है। हवा चलने या वर्षा होने पर भी कीटनाशक का असर जल्दी खत्म नहीं होगा पौधा ज्यादा स्वस्थ होगा एवं फूल, फल ज्यादा होंगे। अनाज, फल एवं सब्जियां ज्यादा चमकदार व सुन्दर होंगी। पैदावार पहले से काफी ज्यादा प्राप्त होगी।

खरपतवारनाशक के साथ - खरपतवारनाशक की मात्रा को **20%** कम कर लें (15 ली० पानी) में खरपतवारनाशक के साथ 20 मि० ली० **GROW MAX - 82** मिलाकर प्रयोग करें। परिणाम - खरपतवार को नष्ट करने के लिए एवं नए खरपतवार के जमाव को रोकने में अति सहायक और फसल पर कोई दुष्प्रभाव नहीं।

खाद के साथ - यदि आप यूरिया, डाई, जिंक, पोटाश आदि के साथ प्रयोग करते हैं तो पहले इनकी मात्रा 20% कम कर लें फिर प्रति एकड़ 500 मि० ली० **GROW MAX - 82** मिलाकर प्रयोग करें। परिणाम - खाद की बचत तथा खाद पहले से ज्यादा प्रभावशाली। भूमि की उर्वरा शक्ति में बढ़ोत्तरी। फसल को ज्यादा हरियाली प्रदान करेगा। पैदावार में भी बढ़ोत्तरी।

सिंचाई के साथ - प्रति एकड़ खेत की सिंचाई में 360 मि० ली० **GROW MAX - 82** मिलाकर प्रयोग करें प्रयोग विधि - 2 ली० बोतल में 20 मि० ली० **GROW MAX - 82** मिलाकर पानी से भर दें एवं उसमे छेदकर जिस नाली से पानी जा रहा है उसपर उल्टा लटका दें बोतल खली होने पर यही प्रक्रिया पुनः दोहराएं। परिणाम - खेत की सिंचाई कम समय में और नमी ज्यादा देर रहेगी। भूमि के अंदर पड़े पौष्टिक तत्वों को सक्रिय कर देता है। जमीन की रन्ध्रावकाश बढाकर मिटटी को भुरभुरी बनाता है जिससे हवा, सूर्य प्रकाश की आवागमन को सरल बनाता है तथा जल धारण क्षमता में वृद्धि करता है। **बीज शोधन** - प्रति किलोग्राम बीज में 1 मि० ली० और गन्ने में 100 ली पानी में 110 मि० ली० मिलाएं

तो किसान भाई देर किस बात की !

सेनजारा लाइफ केयर के प्रतिष्ठित, एवं समृद्धशाली व्यापार श्रंखला से जुड़कर, पर्यावरण सुधार के साथ-साथ पौधारोपण के माध्यम से अपनी आमदनी को कई गुना तक बढ़ाएं।

तो किसान भाइयों आज ही निर्णय लें, अपने खेतों व फसलों में **GROW MAX - 82** का उपयोग करें, सेनजारा के संग वृक्ष लगाएं और पर्यावरण संतुलन बनाने में योगदान दें।

Corp. Office: Shankargarh Bazar, Opp. Avadh Medical Center, Akbarpur Road, Faizabad Ayodhya
Branch Office: Unit #403, 3rd Floor, Chandralok Tower, Kapoorthala, Aliganj, Lucknow
Customer care: +91 - 9076698097, 9795267539, 9076513924
Website: www.senzaralife.com **Email:** senzaralifecare@gmail.com

CHANDAN	MELIA DUBIA	GROW MAX - 82	SAGWAN
MRP - 320 BV - 140	MRP - 125 BV - 35	MRP - 500 BV - 210	MRP - 120 BV - 35

Senzara Life Care
आओ जिन्दगी जी लें

जिन्दगी हो रही है कम, आओ पेड लगाएं हम

CIN No. - U74999UP2017PTC090784

SLC Sandal Wood

चन्दन, मिलिया दूबिया, टिश्यू सागवान, फलदार पौधों की बागवानी करें और अपनी आमदनी को कई गुना बढ़ाएं

सूखी लकड़ी

रसदार लकड़ी

चंदन कलाकृति

चन्दन पाउडर

सुगन्धित चन्दन तेल

An ISO 9001:2015 Certified Company

चन्दन एक परिचय

चंदन की खुशबू हर किसी का मन मोह लेती है। अंतरराष्ट्रीय बाजार मे बेहद बढती मांग और सोने जैसे बहुमुल्य समझे जाने वाले चंदन की ऊंची कीमत होने के कारण भविष्य मे चंदन की खेती करना बहुत लाभप्रद व्यवसाय साबित हो सकता है। और देशो के तुलना मे भारत मे पाये जाने वाले चंदन के पेड मे खुशबु और तेल का प्रमाण (1% से 6%) सबसे ज्यादा है। इसी वजह से भारतीय चंदन को आंतरराष्ट्रीय बाजार मे बडी मांग है। भारत मे चंदन रसदार लकड़ी (Hart Wood) कि कीमत 6000 से 12000 रुपये प्रति किलो है। बारीक लकडी 800 रुपये किलो है।

पौधे का परिचय (Introduction)

वैज्ञानिक नाम : Santalum Album

श्रेणी : सुगंधीय

उपयोग

चंदन का उपयोग तेल इत्र, धूप औषधी और सौंदर्य प्रसाधन के निर्माण में और नक्काशी में इसका उपयोग किया जाता है। चंदन तेल, चंदन पाउडर, चंदन साबुन, चंदन इत्र इत्यादि। (**उपयोगी भाग**: लकड़ी, बीज, जड़ और तेल उत्पति)

यह मूल रुप से भारत में पाये जाने वाला पौधा है। भारत के शुष्क क्षेत्रों विंध्य पर्वतमाला से लेकर दक्षिण क्षेत्र विशेष रूप से कर्नाटक और तमिलनाडु में में पाया जाता है। महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में खेती अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है तथा किसान अब तेजी से चन्दन फार्मिंग कर रहा है।

नोट - मुस्लिम देशों जैसे सऊदी अरब, ईरान, यमन, कतर, कुवैत, इंडोनेशिया, इराक, दुबई के लोग चन्दन का उपयोग अधिक करते हैं और इसे बरकती लकड़ी मानते हैं। हिन्दू धर्म में भी इसकी पूजा होती है और इससे माथे पर टीका भी लगाते हैं।

भूमि

चंदन वृक्ष मुख्य रूप से काली लाल दोमट, बलूई दोमट मिट्टी, रूपांतरित चट्टानों में उगता है। खनिज और नमी युक्त मिट्टी में इसका विकास कम होता है। उथले, चटटानी मैदान पथरीली बजरी मिट्टी, चूनेदार मिट्टी सहन करते है। कम खनिज युक्त मिट्टी में चंदन तेल की उपज बेहतर होती है। किसी भी प्रकार के जल जमाव को यह वृक्ष सहन नहीं करता है। चंदन 5 से 50 डिग्री सेल्सीयस तापमान मे भी आता है। 7 से लेकर 8-5 पीएच मिट्टी की किस्म में उगाया जा सकता है। 60 से 160 से.मी. के बीच वाले वर्षा क्षेत्र चंदन के लिए महत्वपूर्ण होते है। इसे दलदल जमीन पर नहीं उगाया जा सकता है।

भूमि की तैयारी

उचित जल की व्यवस्था हो तो साल मे कभी भी लगा सकते है। पेड लगाने से पहले गहरी जुताई की आवश्यकता होती है। 2-3 बार जोतकर मिट्टी क्षमता को बढ़ाया जाता है। 2x2x2 फिट का गड्ढा बनाकर उसे सूखने दिया जाता है। मुख्य कंपोस्ट खाद के साथ दीमक की दवा रीजेंट 50 ग्राम/गड्ढा में मिलाएं। 12x15 फिट के दूरी पर पेड लगाये 1 एकड मे 250 पौधे लगा सकते है।

खाद एवं सिंचाई प्रबन्धन

इसे अधिक उर्वरक की आवश्यकता नहीं होती है। शुरुवाती दिनो मे फसल वृध्दि के दौरान खाद की आवश्यकता होती है। मानसुन में वृक्ष तेजी से बढ़ते है पर गर्मियों में सिंचाई की जरुरत होती है। ड्रिप विधि से सिंचाई को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सिंचाई मिट्टी में नमी धारण करने की क्षमता और मौसम पर निर्भर करती है। शुरुवाती दिनो मे मानसून के बाद दिसम्बर से मई तक सिंचाई करे।

कटाई (Harvesting) तुडाई कटाई का समय

चंदन की जड़े भी सुगंधित होती है। इसलिए वृक्ष को जड़ से उखाड़ा जाता है न कि काटा जाता है। चौथे साल से रसदार लकड़ी बनना शुरु होती है। चंदन की लकडी मे दो भाग होते है रसदार लकड़ी (Hart wood) और सूखी लकड़ी (Dry wood) दोनो की कीमत अलग - अलग होती है। जब वृक्ष लगभग 12-15 वर्ष पुराना हो जाता है तब लकड़ी प्राप्त होती है और पेड के जीवनपर्यन्त तक प्राप्त होती रहती है।

चंदन खेती का अर्थशास्त्र

चंदन धीरे धीरे बढने वाला पेड है, लेकिन समुचित जल प्रबन्धन करने पर जैसे ठिंबक सिंचन इस्तेमाल कर हर साल पेड के तने का घेरा 12 से.मी. से बढा सकते है। 12 से 15 साल बाद जमीन से 5 फिट ऊपर तने का घेरा 80 से.मी. हो तो उस चंदन के पेड से 15 से 25 किलो (Hart wood) मिल सकता है।

आज (Hart wood) का मार्केट रेट प्रति किलो रु. 6000 से 12000 है। 12-15 साल बाद का रु० 5000 रेट भी मानते है। सूखी और रसदार लकड़ी (Hart wood) 50 किलो भी मिलता हो तो 1 पेड से रु० 2.5 लाख मिल सकते है।

तो किसान भाईयों देर किस बात की, आज ही चन्दन, मिलिया दुबिया, फलदार पौधों की बागवानी करें उज्जवल भविष्य के लिए और शुद्ध वातावरण मे महके और महकाये।

सभी तरह के फलदार वृक्ष, पेड़ पौधों की बागवानी भी कंपनी कराती है।
अतिरिक्त आमदनी के लिए कंपनी का नर्सरी डेपो सेन्टर के लिए संपर्क करें

Note: Replacement guarantee - 45 days from the date of purchase.

कंपनी के बारे में

प्रिय साथियों, सेनजारा लाइफ केयर कई वर्षों से पौधरोपण, बागवानी, पर्यावरण और अन्य क्षेत्रों में भारत के कई राज्यों में कार्य कर रही है। वृक्षारोपण के माध्यम से हमारे देश के किसानो का और लोगों का विकास हो और पर्यावरण शुद्ध हो और किसान की आमदनी बढ़ सके, इसलिए कंपनी किसानो को अपने फसलों के साथ चन्दन की बागवानी के लिए प्रेरित कर रही है।

चन्दन फार्मिंग कैसे करें

Plan - 1 (Self Farming)

चन्दन पौधा कंपनी से लेने पर आप को तकनीकी सहायता और सूख जाने पर दूसरा पौधा देने की गारंटी।

Plan - 2 (Contract Based Farming)

कंपनी के साथ मिलकर चन्दन की खेती तकनीकी सहायता के साथ कर सकते हैं। बस आपको चन्दन के पौधे की कीमत के साथ श्रमिक खर्च, दवा खर्च आदि अतिरिक्त देय होगा कंपनी की तरफ से 18 माह Agreement होगा, जिसमे 90 प्रतिशत पौधों की गारंटी होगी।

Plan - 3 (Partnership Farming)

जमीन मालिक और कंपनी में 80-20 प्रतिशत की साझेदारी होगी। अनुबंध 17 से 20 वर्ष का होगा। लागत जमीन मालिक का होगा और डेवलपमेंट कंपनी की तरफ से होगा। चन्दन के साथ कंपनी अन्य फसल जैसे साग, सब्जी, फल, फूल आदि की अगेती खेती भी आधुनिक ढंग से करेगी।

Plan - 4 (Farm House Farming)

यदि आप के पास जमीन नहीं है तो आप Farm House Farming प्लान के तहत चन्दन का पौधा लगा सकते हैं। यहाँ किसी को भी अपनी जमीन पर पौधरोपण नहीं करना है कंपनी की फार्म में चन्दन का पौधरोपण होगा। आप कंपनी से चन्दन का पौधा खरीदते हैं और प्रति पौध पर श्रमिक खर्च, दवा खर्च आदि खर्च देते हैं। कंपनी की तरफ से Plant Ownership Certificate दिया जायेगा, जो 15 वर्ष तक मान्य होगा (कंपनी 6 माह की संतुष्टि गारंटी देती है आप चाहें तो अपना फार्म हाउस में लगाया गया पौधा 180 दिन के भीतर कहीं अन्य जगह भी लगवा सकते हैं)

यदि आप अपने चन्दन के पौधे को बेचना चाहते हैं तो आप 10 वर्ष में Plant Growth Chart के अनुसार कभी भी, कहीं भी, किसी को भी आप अपना पेड़ बेचने के लिए स्वतंत्र हैं। 11 वर्ष से 15 वर्ष के बीच आप चाहें तो अपने पौधे को कंपनी को बेच सकते हैं।

Plant Growth Chart

वर्ष	चन्दन के पौधे की कीमत
0 वर्ष	Rs. 320
1 वर्ष	Rs. 370
2 वर्ष	Rs. 550
3 वर्ष	Rs. 1250
4 वर्ष	Rs. 2550
5 वर्ष	Rs. 3500
6 वर्ष	Rs. 5500
7 वर्ष	Rs. 7000
8 वर्ष	Rs. 9000
9 वर्ष	Rs. 10500
10 वर्ष	Rs. 12500
11 से 15 वर्ष के बीच	Rs. 25000*

*Company rate T&C Apply

मिलिया दुबिया (मालाबार नीम) परिचय

मिलिया दुबिया /मालाबार नीम दुनिया का सबसे तेज बढने वाला पौधा है इसकी लकड़ी दरवाजे, खिड़की, चौखट बाजु और प्लाईवुड इंडस्ट्री में काम आती है इसको आप पहली बार 7 साल में दूसरी बार 5 साल में और तीसरी बार 5 साल में काट सकते हैं। इसकी समुचित देखभाल करके 400 से 600 किलो लकड़ी प्राप्त कर सकते हैं।

एसएलसी-70 टिश्यू सागवान

सागवान एक लम्बा स्वस्थ और देखने में बहुत खुबसुरत पेड होता है जिसका वैज्ञानिक नाम टैक्टोना ग्राडिस है। यह गर्म जलवायु में तथा सूखी मिट्टी में तेजी से बढ़ता है। सागवान की लकडी की मांग पूरे विश्व में है तथा दिन प्रतिदिन इसकी मांग बढ़ती जा रही है। एसएलसी -70 टिश्यू सागवान अन्य सागवान के मुकाबले तेजी से बढ़ता है इसमें टहनियां न के बराबर होती हैं एसएलसी -70 की सही देखभाल करने पर 12-15 साल में 3-4 क्विंट लपेट में लकड़ी प्राप्त कर सकते हैं।

VEGETABLES

FRUITS

SANDAL

SAGWAN / MELIA DUBIA